नए साल में यूपी की आबादी के तीन गुना पर्यटकों के आने का अनुमान

आस्था की डोर पकड़ नए शिखर की ओर पर्यटन

Premshanker.Mishra@
timesofindia.com

लखनऊ : अयोध्या में 22 जनवरी को राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई। मंदिर के पथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। पर्यटन विभाग के आंकड़े कहते हैं कि जनवरी से सितंबर तक अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 13.56 करोड़ से अधिक रही। यह आंकड़ा 2023 में अयोध्या क्षेत्र में आने कुल पर्यटकों की संख्या से दोगुने से भी अधिक है। आस्था का पथ पकड़ने के बाद यूपी में पर्यटन का विस्तार और उसके कद्रदानों की संख्या में ऐतिहासिक बढ़ोतरी हुई है। नीति नियामकों से लेकर बाजार तक को उम्मीद है कि यूपी का पर्यटन आस्था की डोर पकड़कर नए साल में नए शिखर को छू सकता है। 2025 में यूपी में यहां की आबादी के ढाई से तीन गुना पर्यटकों के आने की उम्मीद है।

यूपी में वर्ष 2023 में 48 करोड़ से अधिक पर्यटक आए थे। इसमें 47.85 लाख घरेलू और 16 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक थे। पिछले एक दशक में 2019 के कुंभ मेले वाले वर्ष को छोड़ दिया जाए तो यह पर्यटकों की सर्वाधिक संख्या थी। दिसंबर के दूसरे हफ्ते में आई रिपोर्ट उम्मीदों की नई तस्वीर पेश करती है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने इस साल सितंबर तक यूपी में आए पर्यटकों के आंकड़े जारी किए। इसके हिसाब से सितंबर तक ही यूपी में आने वाले पर्यटकों की संख्या 47.61 करोड़ से अधिक है। यानी अंतिम आंकड़ों में 2024 में पर्यटकों की संख्या पिछले वर्ष के रेकॉर्ड को काफी पीछे छोड़ चुकी होगी।

अब महाकुंभ की 'पेशवाई'

पर्यटन के अखाड़े में शीर्ष पर पहुंचने की यूपी की उम्मीदों का आधार इस बार प्रयागराज में लगने वाला महाकुंभ है। पिछले डेढ़ दशक के पन्ने पलटें तो यूपी में सबसे अधिक 58 करोड़ से अधिक पर्यटक 2019 में यूपी में आए थे। इसमें 24 करोड़ से अधिक की हिस्सेदारी लगभग डेढ़ महीने तक चले प्रयागराज कुंभ में थी। इसलिए, 13 जनवरी से शुरू हो रहे प्रयागराज महाकुंभ में लगने वाली आस्था की डुबकी से यूपी को अर्थव्यवस्था को 'अर्थ' के अमृत की आस है। माना जा रहा है कि महाकुंभ में इस बार 40 से 45 करोड़ श्रद्धालु आएंगे। मानवता की इस सबसे बड़ी जुटान के भरोसे प्रदेश में 2025 में कुल पर्यटकों की संख्या 65 से 70 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। महाकुंभ में व्यवस्थागत तैयारियों पर 7 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा रहे हैं। अलग-अलग देशों में गो ब्रैंडिंग का असर यह है कि यूरोपीय देशों से लेकर अमेरिका तक से महाकुंभ के बारे में टूअर ऑपरेटर्स के पास पूछताछ बढ़ गई है। महाकुंभ में 20 लाख से अधिक विदेशी मेहमानों के पहुंचने का अनुमान है।

40-45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान इस बार

बाजार का विस्तार, चुनौतियां भी अपार

यूपी में पर्यटन के नए परिदृश्य ने बाजार और रोजगार की संभावनाओं का भी व्यापक विस्तार किया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का सर्वे बताता है कि यूपी में ओवरनाइट स्टे पर पर्यटकों की ओर से किए जाने वाला खर्च 2.30 लाख करोड़ रुपये है। राम मंदिर सहित अन्य आकर्षणों के विस्तार से 2025 में यह खर्च बढ़कर 4 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। अकेले अयोध्या इफैक्ट से ही 25 हजार करोड़ रुपये तक का राजस्व बढ़ने की भविष्यवाणी सर्वे कर रहे हैं। हालांकि, आस्था की इस सुरम्य तस्वीर के बीच बुनियादी सुविधाओं और 'टूरिज्म एडिक्ट' की चुनौतियां भी अपार हैं। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह कहते हैं कि होटल, होम स्टे, बुनियादी सुविधाओं से लेकर मेगा इन्फ्रास्ट्रक्चर तक पर योगी सरकार लगातार काम कर रही है। हमारा प्रयास है कि यूपी आने वाला हर पर्यटक हमारा ब्रैंड अंबेसडर बनकर जाए। इसके लिए हर तरह के फीडबैक, रिपोर्ट व गैप को भरने की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं।

2.30 लाख करोड़ ओवरनाइट स्टे खर्च है टूरिस्टों का

अयोध्या की अगुआई उत्तर प्रदेश को भायी

विशेषज्ञों का कहना है कि यूपी के पर्यटन में आस्था स्थलों की भागीदारी अहम रही है, लेकिन कुंभ या महाकुंभ वाले वर्षों को छोड़ दिया जाए तो ताजनगरी आगरा का क्षेत्र ही यूपी में सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र रहा है। हालांकि, पिछले सात-आठ वर्षों में सत्ता व नियामक की बदली प्राथमिकताओं और फोकस ने यूपी में आध्यात्मिक पर्यटन को एक नया कलेवर दिया है। इसकी छाप यहां आने वाले पर्यटकों के आंकड़ों पर साफ दिखती है। मसलन 2023 में यूपी में सबसे अधिक घरेलू पर्यटक जिस क्षेत्र में आए थे वह काशी था। विश्वनाथ कॉरिडोर बनने के बाद वहां के पर्यटन बाजार को नए पंख लगे हैं। काशी में पिछले साल 12.94 करोड़ पर्यटक आए जबकि आगरा क्षेत्र में यह संख्या 11 करोड़ के नीचे थी। इस वर्ष रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या की अगुआई यूपी के पर्यटन को खूब भाई है। सितंबर तक अयोध्या में आए कुल पर्यटक आगरा क्षेत्र से एक करोड़ से अधिक है। इस साल के 9 महीने में ही घरेलू पर्यटकों का रुझान देखें तो इनमें 70% ने यूपी के आस्था स्थलों का ही रुख किया है।

12.94 करोड़ पर्यटक पिछले साल काशी में आए

47.61 करोड़ पर्यटक सितंबर तक आए यूपी में

65 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटकों का अनुमान है 2025 में

40 करोड़ से अधिक श्रद्धालु महाकुंभ मेले में ही आएंगे

04 लाख करोड़ तक ओवरनाइट स्टे पर खर्च का अनुमान 2025 में

25 हजार करोड़ से अधिक पर्यटन राजस्व अयोध्या से आने की आस

9 महीने में कहां-कितने पर्यटक (करोड़ में)

आंकड़े यूपी पर्यटन विभाग के